an>

Title: Need to provide basic facilities to the Shiksha-Preraks working under Sakshar Bharat Mission in Uttar Pradesh.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) : उपाध्यक्ष महोदय, साक्षर भरत मिशन भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। उसके अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर लोक शिक्षा केंद्रों में शिक्षा प्रेरकों की नियुक्ति सन् 2014 में की गई थी। अपने देश के ग्रामीण क्षेत्रों खास कर उत्तर प्रदेश में, जहां बड़े पैमाने पर लोग अशिक्षित व निरक्षर हैं, इस योजना का बड़ा महत्व है। शिक्षा प्रेरक अपने दायित्वों का उचित निर्वहन कर रहे हैं, जिसका प्रभाव अभी ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाई पड़ना शुरू हो गया है। परंतु जैसा कि उत्तर प्रदेश में हर सामाजिक विकास की योजना का परिणाम होता है, इस योजना में भी प्रारंभ हो गया है। मेरे लोक सभा क्षेत्र के आदर्श शिक्षा प्रेरक वैलफेयर सोयायटी लखमीपुर खीरी ने मुझे अवगत कराया है कि लोक शिक्षा केंद्रों पर कुर्सी मेज़, लेखन सामग्री सहित जो मूलभूत आवश्यकताएं हैं, वे भी लाभार्थियों को बैठने आदि की सुविधाएं तक नहीं उपलब्ध हैं। साथ ही मानदेय जो मात्र दो हज़ार रूपये मिलता है, वह भी उनको दस माह से नहीं मिला है तथा ग्राम प्रधानों व बीडीओ द्वारा नवीनीकरण के समय जहां शिक्षा प्रेरकों को असुविधाएं होती हैं, वहीं पर मातृत्व अवकाश, समय पर मानदेय न मिलना, ऐसी कई समस्याओं की ओर उक्त सोसायटी ने मेरा ध्यान दिलाया है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में जहां निरक्षरों और अशिक्षितों की बड़ी संख्या है, साक्षर भारत मिशन के माध्यम से बड़ी उपलब्धि प्राप्त की जा सकती है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूँ कि साक्षर भारत मिशन को प्रभावी बनाने के लिए लोक शिक्षा केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने, शिक्षा प्रेरकों का मानदेय बढ़ाने, नियमित समय पर उनको उपलब्ध कराने तथा अवकाश व मातृत्व अवकाश की सुविधा देने हेतु आवश्यक कार्यवाही कराने का कष्ट करें।

धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Sharad Tripathi is permitted to associate with the issue raised by Shri Ajay Misra Teni.